प्रेस विज्ञप्ति

07.02.2024

प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली जल बोर्ड भ्रष्टाचार मामले में 06-02-2024 को दिल्ली, वाराणसी और चंडीगढ़ के विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया।

प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) में भ्रष्टाचार/रिश्वतखोरी से संबंधित अपराधों के लिए सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। एफआईआर में आरोप है कि जगदीश कुमार अरोड़ा [तत्कालीन मुख्य अभियंता, डीजेबी] ने मैसर्स एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को दिल्ली जल बोर्ड में 38 करोड़ रुपए की कुल लागत का कोई ठेका प्रदान किया, इस तथ्य के बावजूद कि कंपनी ने तकनीकी पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं किया।

प्रवर्तन निदेशालय की जांच से पता चला कि मैसर्स एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने जाली/फर्जी/झूठे दस्तावेज जमा करके बोली प्राप्त की। दिल्ली जल बोर्ड के तत्कालीन मुख्य अभियंता जगदीश कुमार अरोड़ा को इस तथ्य की जानकारी थी कि कंपनी ने तकनीकी पात्रता पूरी नहीं करती है। उन्होंने रिश्वत की राशि नकद और बैंक खातों दोनों में प्राप्त की। जांचों और डिजिटल सबूतों से पता चलता है कि जगदीश कुमार अरोड़ा ने रिश्वत की रकम ए.ए.पी. से जुड़े व्यक्तियों सहित दिल्ली जल बोर्ड के प्रबंधन मामलों से जुड़े विभिन्न व्यक्तियों को दी। रिश्वत की राशियाँ **ए.ए.पी. को चुनावी फंड के रूप में भी दी गई।**

प्रवर्तन निदेशालय की जांच में आगे पता चला कि डीजेबी के संविदा अत्यधिक बढ़ी हुई दरों पर प्रदान किया गया, ताकि संविदाधारकों से अनुबंध की बढ़ी हुई लागत से रिश्वत वसूली जा सके। 38 करोड़ रुपए के अनुबंध मूल्य के मुकाबले, अनुबंध पर केवल 17 करोड़ रुपए खर्च किए गए और विभिन्न फर्जी खर्चों की आड़ में शेष राशियों का गबन किया गया। ऐसे फर्जी खर्च रिश्वतों और चुनावी निधियों के रूप में दर्ज किए गए।

तलाशी के दौरान, विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज़ और डिजिटल साक्ष्य पाए गए और उन्हें जब्त कर लिया गया है। तलाशी के दौरान 197 करोड़ रुपए के लगभग कीमती समान और 4 लाख रुपए के बराबर विदेशी मुद्रा भी जब्त की गई हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने पहले 17-11-2023 और 24-07-2023 को तलाशियां संचालित की थी और विभिन्न डिजिटल साक्ष्य जब्त किए थे। प्रवर्तन निदेशालय ने 31-01-2024 को जगदीश कुमार अरोड़ा और अनिल कुमार अग्रवाल को गिरफ्तार भी किया है। माननीय न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय को 10-02-2024 तक उनकी हिरासत दी है।

आगे की जांच प्रक्रियाधीन है।